



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 507] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 25, 1976/अग्रहायण 4, 1898

No. 507] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 25, 1976/AGRAHAYANA 4, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 25th November 1976

S.O. 753(E)/18AA/IDRA/76.—Whereas the Central Government is satisfied, from the documentary and other evidence in its possession, that the persons in charge of the industrial undertaking known as Messrs. Pulgaon Cotton Mills Limited, Pulgaon, have by creation of incumbrances on the assets of the industrial undertaking, brought about a situation which is likely to affect the production of articles manufactured or produced in the said industrial undertaking and that immediate action is necessary to prevent such a situation;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby authorises the Maharashtra State Textile Corporation Limited (hereinafter referred to as the authorised person) to take over the management of the whole of the said industrial undertaking subject to the following terms and conditions, namely:—

- (i) The authorised person shall comply with all the directions issued from time to time by the Central Government;
- (ii) The authorised person shall hold office for a period of five years from the date of publication of this Order in the Official Gazette;

(iii) The Central Government may terminate the appointment of the authorised person earlier, if it considers necessary to do so.

2. This Order shall have effect for a period of five years commencing from the date of its publication in the Official Gazette.

[No. F.3(17)/75-CUC]

A. K. GHOSH, Addl. Secy.

**उद्योग मंत्रालय
औद्योगिक विकास विभाग**

आदेश

नई दिल्ली, 25 नवम्बर, 1976

कां. क्र० 753(अ)/18 एए/आई जी आर ए/76.—केन्द्रीय सरकार का, ऐसे दस्तावेजी और अन्य साक्ष्य के आधार पर, जो उसके पास हैं, यह समाधान हो गया है कि मैसर्स पुलगांव काटन मिल्स लिमिटेड, पुलगांव नामक औद्योगिक उपक्रम के भारसाधक व्यक्तियों ने औद्योगिक उपक्रम की आस्तियों पर विल्लंगमों के सृजन द्वारा ऐसी स्थिति उत्पन्न कर दी है जिससे उक्त औद्योगिक उपक्रम में विनिर्मित या उत्पादित वस्तुओं के उत्पादन पर प्रभाव पड़ने की सम्भावना है और ऐसी परिस्थिति को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करना आवश्यक है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महाराष्ट्र स्टेट टैक्सटाइल कारपोरेशन लिमिटेड को (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है), उक्त सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, निम्नलिखित निबन्धनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत करती है, अर्थात् :—

- (i) प्राधिकृत व्यक्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए सभी निदेशों का अनुपालन करेगा ;
- (ii) प्राधिकृत व्यक्ति राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशन की तारीख से पांच वर्ष की अवधि पर्यन्त पद धारण करेगा ;
- (iii) केन्द्रीय सरकार, यदि वह ऐसा करना आवश्यक समझे, प्राधिकृत व्यक्ति की नियुक्ति पहले ही समाप्त कर सकती है ।

2. यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रारम्भ होने वाली पांच वर्ष की अवधि तक प्रभावी रहेगा ।

[सं. फा० 3(17)/75-सी यू सी]

ए० के० घोष, अपर सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मंत्रालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1976